city भास्कर
BHOPAL SATURDAY, 16/03/2019

गेट (सिविल इंजीनियरिंग) में AIR-1 लाने वाले प्रखर सिंह ने कहा-

मंजिल इंजीनियरिंग सर्विसेज, गेट तो रास्ते में आ गया

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

गेट (सिविल इंजीनियरिंग) में AIR-1 लाने वाले प्रखर सिंह ने सिटी भास्कर से बातचीत में बताया- मेरी मंजिल तो इंजीनियरिंग सर्विसेज है। इसका प्रिलिम्स क्लीयर कर चुका हूं। जहां तक बात गेट में टॉप करने की है तो मैं गेट की तैयारी भी इसी दौरान करता चला गया। 6 जनवरी 2019 को आईईएस प्रिलिम्स देने के बाद 8 जनवरी से मैंने गेट एग्जाम की रेगुलर स्टडी शुरू की। इस बीच मैंने पिछले दो से तीन साल के पेपर्स देखे और समझा कि किस तरह के सवाल गेट एग्जाम में पूछे जाते हैं। कुल 54 ऑनलाइन टेस्ट सीरिज ज्वॉइन की, लेकिन कभी भी मुझे 85 से ज्यादा मार्क्स हासिल नहीं हुए। तैयारी के दौरान कई बार मार्क्स ऊपर-नीचे हुए, पर मैं लगातार फोकस्ड रहा।

गेट एग्जाम एक्सपर्ट विजय कुमार तिवारी ने बताया- मैकेनिकल और सिविल का पेपर कठिन और लंबा था। लेकिन ईसी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सीएस का पेपर औसत आया था। ओवर ऑल रिजल्ट बेहतर है।

प्रखर को मां बीना सिंह और पिता कृष्ण गोपाल सिंह ने मिठाई खिलाकर इस तरह सफलता की बधाई दी। फोटो- प्रवीण पाण्डेय

टॉपर्स टिप्स- टाइम मैनेजमेंट सबसे जरूरी

प्रखर ने बताया- आप कितनी भी पढ़ाई कर लो, लेकिन टाइम मैनेजमेंट बहुत जरूरी होता है। क्योंकि स्पीड के साथ जितनी एक्युरेसी होगी उतने ज्यादा सवाल आप अटेम्प्ट कर पाएंगे। गेट एग्जाम में आपके पास हर सवाल के लिए सिर्फ 2-3 मिनट ही होते हैं। पढ़ाई के दौरान मूड फ्रेश करने के लिए अमेरिकन टीवी सीरिज देखता था।

मां ने डाइट चार्ट बनाकर ध्यान रखा

गेट एग्जाम से पहले के 30 दिन मैंने सिर्फ क्वेश्चन ट्रेंड्स को समझा, ताकि कम से कम समय में सवालों को सॉल्व कर सकूं। इस दौरान मेरी मां बीना सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई क्योंकि इससे पहले दिल्ली में रहने के दौरान मुझे दो बार फूड पॉयजनिंग हुई। इसके बाद एग्जाम की तैयारी के लिए मेरी मां ने डाइट चार्ट तैयार कर मेरे खाने का पूरी तरह से ध्यान रखा।

गेट (इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन) में AIR-1 रजत सोनी ने बताया-

गलतियां कॉपी में लिखी ताकि उन्हें दोहराने से बचूं

रजत कहते हैं- मैं दिल्ली में इंजीनियरिंग सर्विसेस की तैयारी कर रहा हूं। इसका प्रिलिम्स क्लीयर कर लिया है, अगला टारगेट जून में होने वाले मेंस एग्जाम है। ग्रेजुएशन के बाद ही मैंने गेट एग्जाम की तैयारी शुरू कर दी थी। कॉलेज स्टडी के दौरान भी एक बार गेट दिया था लेकिन तब मेरी बेहतर पोजिशन नहीं आई।

मौके आए जब मुझे कई बार निराशा हुई। लेकिन नाना-नानी के मॉरल सपोर्ट और मोटिवेशन के कारण मुझे सफलता मिली। क्लास में छह से आठ घंटे स्टडी के बाद मैं घर पर सेल्फ स्टडी करता था।

टेबल पर पूरा फ्लोचार्ट तैयार किया था ताकि ज्यादा से ज्यादा फॉर्मूले याद रहें। टेस्ट सीरिज के दौरान जो गलतियां करता

पीपुल्स समाचार

/IamBhopalofficial 9893443010

iam BHOPAL

गेट परीक्षा में भोपाल से प्रखर, रितेश और रजत को मिली ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक

प्रीति जैन • रिपोर्टर
Mobile no. 9827080406

ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग(गेट) 2019 का परिणाम शुक्रवार को घोषित हुआ। पीएसयू में नौकरी और आईआईटी के जरिए एमटेक करने के लिए आयोजित इस परीक्षा में भोपाल से ऑल इंडिया पहली रैंक तीन छात्रों को मिली है। सिविल इंजीनियरिंग में प्रखर सिंह ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है, रजत सोनी ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन ब्रांच और रितेश ललवानी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से देश में पहला स्थान हासिल किया है। भोपाल के मैनिट में पढ़ने वाले अनुभव सिंह ने केमिकल इंजीनियरिंग ब्रांच से देश में 8 वां स्थान प्राप्त किया है। अनुभव की मेहनत की कहानी स्टूडेंट्स के लिए प्रेरणादायी कहानी से कम नहीं।

जॉब छोड़ दी ताकि अपना 100 फीसदी दे सकूं...

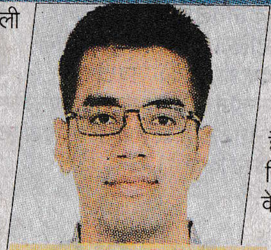

रजत सोनी
रैंक- 1, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन

भोपाल के रहने वाले रजत सोनी इन दिनों दिल्ली में रहकर इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस(आईईएस) की मैन्स की तैयारी कर रहे हैं क्योंकि प्रीलिम्नरी एग्जाम पास कर चुके हैं। इंजीनियरिंग को अपने मन से करियर बनाने वाले रजत कहते हैं, मैंने 11 वीं से ही जेईई मैन्स की तैयारी शुरू कर दी थी और फिर मेरा सिलेक्शन एनआईटी वारंगल में हुआ। बीटेक के बाद मेरा कैंपस सिलेक्शन से प्लेसमेंट भी हुआ लेकिन मेरा टागरेट गेट था। जॉब इसलिए नहीं की क्योंकि मेरा मानना है कि यदि आपके पास कुछ नहीं होता तो बड़ा हासिल करने के लिए अपना 100 फीसदी देंगे। यही वजह रही कि मैंने जॉब के साथ तैयारी नहीं। गेट 2019 के लिए स्टेंटर्ड बुक्स और मेडईजी कोचिंग से तैयारी की। मेरा गेट की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स को सुझाव है कि यदि कोचिंग कर रहे हैं तो वहीं के कंटेंट और स्टेंडर्ड बुक्स पर भरोसा करें गेट के सवाल आपकी एनालिटिकल स्किल्स की परख करते हैं, इसलिए कंसेप्चुअल स्टडी करें और अपने विषय के सभी टॉपिक्स का गहन अध्ययन करने के साथ ही सवालों को हल करने की ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करें। मैंने सोचा था कि टॉप-10 में आउंगा लेकिन पहली रैंक मिल गई। कक्षा 12 वीं से लेकर अभी तक पूरी तरह से सिर्फ पढ़ाई पर फोकस कर रहा हूं। स्टूडेंट्स को यही सलाह है कि यदि आप प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो फिर कोई बहाना न करें। सबकुछ छोड़कर अपना 100 फीसदी तैयारी को दें अन्यथा आप खुद को धोखा देंगे। मेरा अगला लक्ष्य आईईएस क्रेक करना है।

50 से अधिक चयन भोपाल से

भोपाल से गेट में लगातार स्टूडेंट्स अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं लेकिन इस बार तीन ऑल इंडिया पहली रैंक से लेकर कई सारी रैंक स्टूडेंट्स लेकर आए हैं। लगभग 50 से अधिक सिलेक्शन हुए हैं। **विजय तिवारी, मेडईजी**

खुद पर यकीन रखें और अच्छा स्टडी सर्किल बनाएं...

रितेश ललवानी
रैंकः 1, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

रितेश इन दिनों दिल्ली में रहकर इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस(आईईएस) की मैन्स की तैयारी कर रहे हैं और इनका प्रीलिम्नरी एग्जाम क्लीयर हो चुका है। यूपी बांदा का रहने वाले रितेश ने मैनिट से बीई की और भोपाल से ही गेट की तैयारी। रितेश कहते हैं, जईई मैन्स की तैयारी के लिए दो साल कोटा रहा तो समझ आया कि खुद पर यकीन रखना और अच्छा स्टडी सर्किल बनाना जरूरी है ताकि कभी हताश न हों। इसके बाद भोपाल आकर पढ़ाई की और गेट की तैयारी के लिए छह महीने कोचिंग की। साल 2018 गेट में 15[illegible] वीं रैंक आई जो कि बहुत अच्छी नहीं मानी जाती इसलिए 2019 गेट में शामिल हुआ वो सभी गलतियां न की जो कि पिछले बार की थी। सभी का लेवल अलग-अलग होता है। मैं कॉलेज की पढ़ाई के साथ बहुत अच्छी रैंक नहीं ला पाया था इसलिए दूसरे प्रयास किया और पहला स्थान मिला।

न, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छग, उप्र, महाराष्ट्र एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

पूरा सच, बेहिचक

प्रदेश टुडे

www.pradesht

भोपाल
शनिवार
16 मार्च 2019
वर्ष: 9, अंक: 174
कुल पृष्ठ- 10
मूल्य: ₹ 2.00

मेड इजी के छात्रों ने गेट परीक्षा में किया टॉप

भोपाल। पीएससी, गेट एवं पीएसयू के लिए भारत के बेस्ट इंस्टीट्यूट मेड इजी के छात्र हमेशा ही कीर्तिमान बनाते आये हैं। अभी हाल ही में 15 मार्च को गेट परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रखर सिंह ने सिविल इंजीनियरिंग में प्रथम स्थान हासिल किया और रजत सोनी ने इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में ऑल इंडिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों इंजीनियरिंग के छात्रों ने मेड इजी भोपाल ब्रांच से रेगुलर क्लासरूम कोर्स किया है। मेड इजी के इन छात्रों ने ऑल इंडिया प्रथम रैंक हासिल कर भोपाल के साथ-साथ मेड इजी की प्रशिक्षण पद्धति को भी गौरवान्वित किया है। अपने छात्रों की इस कीर्तिमान उपलब्धि पर मेड इजी के सीएमडी बी. सिंह ने सभी छात्रों को बधाइयां देते हुए सुखद भविष्य की कामना की है।

रजत ने पाया इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में ऑल इंडिया में प्रथम स्थान

भोपाल

शनिवार 16 मार्च 2019
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष-10
वर्ष : 06, अंक : 25
पृष्ठ : 10+8 =18 मूल्य : 3.00 **

मौसम
अधि. 32
न्यून. 16

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मेड इजी के छात्रों ने गेट परीक्षा में किया टॉप

भोपाल। पीएससी, पीएसयू, गेट के लिए बेस्ट इंस्टिट्यूट मेड इजी के छात्र हमेशा ही कीर्तिमान बनाते आएं हैं। शुक्रवार को गेट परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रखर सिंह ने सिविल इंजीनियरिंग में प्रथम स्थान हासिल किया और रजत सोनी ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में ऑल इंडिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि, दोनों इंजीनियरिंग के साथ ने मेडं इजी भोपाल ब्रांच से रेगुलर क्लासरुम कोर्स किया है। मेड इजी के इन छात्रों ने ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक हासिल कर भोपाल के साथ मेड इजी की प्रशिक्षण पद्धति को भी गौरवान्वित किया है। अपने छात्रों की इस कीर्तिमान उपलब्धि पर मेड इजी के सीएमडी, बी सिंह ने छात्रों को बधाइयां देते हुए सुखद भविष्य की कामना की है।

भोपाल, शनिवार 16 मार्च 2019

बदलते ज़माने का अख़बार
पीपुल्स समाचार

मेड इजी के छात्रों ने गेट परीक्षा में किया टॉप

भोपाल। पीएससी, गेट एवं पीएसयू में मेड इजी इंस्टीट्यूट के छात्र हमेशा कीर्तिमान बनाते हैं। शुक्रवार को गेट घोषित परीक्षा परिणाम में प्रखर सिंह ने सिविल इंजीनियरिंग में प्रथम स्थान पाया। रजत सोनी ने इलेक्ट्रॉनिक में ऑल इंडिया में प्रथम स्थान पाया। सीएमडी बी. सिंह ने बधाई दी।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पेज * 32, डीबी स्टार के साथ, मूल्य ₹ 6.00 | वर्ष 61, अंक 300, महानगर

भोपाल, शनिवार 16 मार्च, 2019 फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 10, 2075

गेट-2019 : देश में भोपाल से दो टॉपर

प्रखर सिंह को सिविल व रजत सोनी को ईसी में एआईआर-1

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

प्रखर सिंह

रजत सोनी

ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट (गेट-2019) का रिजल्ट शुक्रवार को जारी हो गया। इसमें भोपाल के प्रखर सिंह ने सिविल इंजीनियरिंग में 87.72 मार्क्स के साथ ऑल इंडिया वन रैंक हासिल की। जबकि भोपाल के ही रजत सोनी ने इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन ब्रांच में 89 मार्क्स के साथ देश में टॉप किया। इसके अलावा मैनिट के स्टूडेंट अनुभव सिंह (केमिकल) को एआईआर 8, रचित जैन (केमिकल) को एआईआर 25, सफल शर्मा (एमएमई) को एआईआर 84, आदित्य उपाध्याय (सिविल) को 106, और मनीष कुमार (आर्किटेक्ट) को 197 ऑल इंडिया रैंक मिली। आईआईटी मद्रास की ओर से कंडक्ट किए गए गेट एग्जाम में इस वर्ष भोपाल से लगभग 750 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया था। उल्लेखनीय है कि गेट की परीक्षा 2,3, 9 और 10 फरवरी को आयोजित की गई थी।

-सिटी भास्कर भी पढ़ें

16
मार्च 2019
शनिवार
विक्रम 2075, हिजरी 1440,
फाल्गुन शुक्ल दशमीं

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
स्थापना वर्ष : 2009

twitter.com/psamachar1 facebook.com/peoplessamachar1 14 पृष्ठ ₹2.00 ■ वर्ष-11 ■ अंक-20 instagram.com/peoplessamachar1

गेटः भोपाल के प्रखर, रितेश, रजत को AIR-1

भोपाल मैनिट से पढ़े अनुभव को बिना कोचिंग मिली देश में आठवीं रैंक

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

रजत सोनी।

रितेश ललवानी।

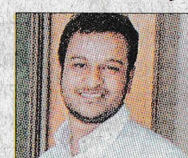
अनुभव सिंह।

ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2019 का परिणाम शुक्रवार को घोषित हुआ। पीएसयू में नौकरी और आईआईटी के जरिए एमटेक करने के लिए आयोजित इस परीक्षा में भोपाल से ऑल इंडिया पहली रैंक तीन छात्रों को मिली है। सिविल इंजीनियरिंग में प्रखर सिंह ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है, रजत सोनी ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन ब्रांच और रितेश ललवानी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से देश में पहला स्थान हासिल किया है। भोपाल मैनिट में पढ़ने वाले अनुभव सिंह ने केमिकल इंजीनियरिंग ब्रांच से देश में 8 वां स्थान प्राप्त किया है। अनुभव की मेहनत की कहानी स्टूडेंट्स के लिए प्रेरणादायी है। यूपी के गोरखपुर के रहने वाले अनुभव बताते हैं कि उनके पिता किसान हैं। आर्थिक परेशानियों के कारण न ही जेईई मेन्स और न ही गेट की कोचिंग की। सेल्फ स्टडी से सभी प्रवेश परीक्षाएं पास की। कहते हैं, बिना कोचिंग बड़े कॉम्पिटेटिव एग्जाम पास किए जा सकते हैं। बस काबिलियत पर भरोसा रहे और किसी और को देखने की बजाए 100 फीसदी मेहनत करें।

- आईएम भोपाल भी पढ़ें